मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC-132

बी. ए. (जनरल) (बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.एस.के.सी.-132 : संस्कृत गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

(व्याख्यात्मक प्रश्न)

1. अधोलिखित गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 2×20=40

(क) मनसा देवताध्यारोपण-प्रतारणासम्भूत-सम्भावनोपहताश्चान्तः प्रविष्टापरभुजद्वयमिवात्म बाहु युगलं सम्भावयन्ति। त्वगन्तरित-तृतीयलोचनं स्वललाटमाशकन्ते। दर्शनप्रदानमप्यनुग्रहं गणयन्ति। दृष्टिपातमप्युपकारपक्षे स्थापयन्ति। सम्भाषणमपि सविभागमध्ये कुर्वन्ति। आज्ञामपि वरप्रदानं मन्यन्ते।

अथवा

मिथ्यामाहात्म्य गर्व निर्भराश्च न प्रणमन्ति देवताभ्यः न पूजयन्ति द्विजातीन् न मानयन्ति मान्यान्, नार्चयन्त्यर्चनीयान्, नाभिवादयन्त्यभिवादनार्हान्, नाभ्युतिष्ठन्ति गुरून्, अनर्थकायासान्तरितविषयोपभोग सुखमित्युपहसन्ति विद्वज्जनम्, जरावैक्लव्यप्रलपितमिति पश्यन्ति वृद्धजनोपदेशम् आत्मप्रज्ञापरिभव इत्यसूयन्ति सचिवोपदेशाय कुप्यन्ति हितवादिने।

(ख) भगवान्। बद्धसिद्धासनैर्निरुद्ध-निःश्वासैः प्रबोधितकुण्डलिनीकैर्विजितदशेन्द्रियैरनाहत-नादतन्तु-मवलम्ब्याऽऽज्ञाचक्रं संस्पृश्य, चन्द्रमण्डलं भित्त्वा, तेजः पुञ्जमविगणय्य, सहस्रदलकमलस्यान्तः प्रविश्य, परमात्मानं साक्षात्कृत्य, तत्रैव रममाणैर्मृत्युञ्ज-यैरानन्दमात्रस्वरूपैर्ध्यानावस्थितैर्भवादृशैर्न ज्ञायते कालवेगः।

अथवा

"वत्स गौरसिंह। अहमत्यन्तं तुष्यामि त्वयि, यत त्वमेकाकी अफजलखानस्य त्रीनश्वान् तेन दासीकृतान पञ्च ब्राह्मणतनयाश्च मोचयित्वा अनीतवानसीति। कथं न भवेरीदृशः ? कुलमेवेदृशं राजपुत्रदेशीयक्षत्रियाणाम्।"

खण्ड—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **700** शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए। 2×15=30

2. 'गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

रामशरण त्रिपाठी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

3. 'शिवराजविजय' में वर्णित 'गौरबटु' (गौरसिंह) के व्यक्तित्व को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

'शुकनासोपदेश' के आधार पर 'लक्ष्मी के स्वरूप' को अपने शब्दों में निबद्ध कीजिए।

खण्ड—ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **250** शब्दों में दीजिए। 5×6=30

4. संस्कृत गद्यकाव्य के विकास पर लेख लिखिए।

5. पण्डिता क्षमाराव की रचनाओं का वर्णन कीजिए।

6. 'शुकनासोपदेश' के अनुसार युवावस्था के दोषों का निरूपण कीजिए।

7. महाकवि दण्डी की भाषाशैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

8. 'विश्वेश्वर पाण्डेय' के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

9. नीति तथा लोककथाओं के उद्‌भव और विकास पर लेख लिखिए।

10. 'शिवराजविजय' में वर्णित 'बालिका' के स्वरूप को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।